जीवाजी विश्वविद्यालय , ग्वालियर सत्र

एम ए ज्योतिर्विज्ञान चार सेमेस्टर (द्वि-वर्षीय) पाठ्यक्रम २०२३ – २०२५

एम ए ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

Course	Paper #	Title of the paper(S)	Credits
Core	JT-101	ज्योतिर्गणित-1	3
Core	JT-102	फलित ज्योतिष-1	3
Core	JT-103	पञ्चाङ्ग विमर्श	3
Core	JT-104	सामुद्रिक , प्रश्न एवं शकुन शास्त्र	3
Core lab	JL-105	प्रायोगिक /लघु शोध प्रबंध	6
Seminar	JS-106	सेमिनार	1
Assignment	JA-107	असाइनमेंट	1
Viva-Voice	JV-108	व्यापक मौखिक परीक्षा	4

एम ए ज्योतिर्विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर

Core	Paper #	Title of the paper(S)	Credits
Core	JT-201	ज्योतिर्गणित-2	3
Core	JT-202	शिल्पशास्त्र	3
Core	JT-203	खगोल विज्ञान	3
Core	JT-204	वास्तु शस्त्र	3
Core lab	JL-205	प्रायोगिक /लघु शोध प्रबंध	6
Seminar	JS-206	सेमिनार	1
Assignment	JA-207	असाइनमेंट	1
Viva-Voice	JV-208	व्यापक मौखिक परीक्षा	4

नोट: - अध्ययनमण्डल की मीटिंग में विषयविशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन participate किया गया था। अतः उनके हस्ताक्षर करवाने का कष्ट करें।

एम ए ज्योतिर्विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

Course	Paper #	Title of paper(S)	Credits
Core	JT-301	उच्चतर ज्योतिर्गणित-1	3
Core	JT-302	फलित ज्योतिष-2	3
Elective	JT-303	संहिता ज्योतिष	3
Elective	JT-304	प्रौढ़ वास्तु विज्ञानं-1	3
Elective	JT-305	चिकित्सा ज्योतिष	3
Elective	JT-306	प्रश्न ज्योतिष	3
Core lab	JL-307	प्रायोगिक /लघु शोध प्रबंध	6
Seminar	JS-308	सेमिनार	1
Assignment	JA-309	असाइनमेंट	1
Viva-Voice	JV-310	व्यापक मौखिक परीक्षा	4

एम ए ज्योतिर्विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर

Course	Paper #	Title of paper(S)	Credits
Core	JT-401	उच्चतर ज्योतिर्गणित-2	3
Core	JT-402	फलित ज्योतिष-3	3
Elective	JT-403	मंदिर स्थापना की शैलियाँ	3
Elective	JT-404	प्रौढ़ वास्तु विज्ञान-2	3
Elective	JT-405	ताजिक वर्षफल	3
Elective	JT-406	अध्यात्म ज्योतिष	3
Core lab	JL-407	प्रायोगिक /लघु शोध प्रबंध	6
Seminar	JS-408	सेमिनार	1
Assignment	JA-409	असाइनमेंट	1
Viva-Voice	JV-410	व्यापक मौखिक परीक्षा	4

प्रथम सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
१०१ प्रथम प्रश्न पत्र : ज्योतिर्गणित-1
101, First Paper : Jyotirganit-1

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

ज्योतिष शब्द की व्युत्पत्ति, ज्योतिष शास्त्र की परिभाषा , शंकर बालकृष्ण दीक्षित का कालवर्गीकरण , नेमिचन्द्र शास्त्री का कालवर्गीकरण , अन्धकारकाल की अवधारणा एवं खंडन, वैदिक वाङ्मय, वेदाङ्ग, रामायण , महाभारत , तथा पुराणों में ज्योतिष।

द्वितीय इकाई

त्रिस्कन्ध ज्योतिष का परिचय , भारतीय ज्योतिष की प्राचीनता विषयक विद्वानों के मत , वेदाङ्गों में ज्योतिष का स्थान , ज्योतिषशास्त्र की प्रासङ्गिकता।

तृतीय इकाई

भचक्र में राशि तथा नक्षत्रो के गणितीय विभाग , भूकेंद्रित एवं सूर्यकेन्द्रित कक्षाक्रम , ज्योतिर्विज्ञानिक परिभाषाएं (वृत्त,उन्नतांशनतांश , शडकु , ऋतु , मास, लग्नादि भावों की परिभाषा, वृत्त , गोल, गर्भसूत्र ,पृष्ठीय सूत्र, खस्वस्तिक , दिगंश , विषुवत्त रेखा , विषुवत्त वृत्त , क्षितिजवृत्त , उनमंडल, क्रांति , शर , उत्तरायण - दक्षिणायन , भोग , शर , सम्पातबिंद , योगतारा, डॉ . मोहन गुप्त का पलभा सूत्र , उपपत्ति एवं प्रयोग

चतुर्थ इकाई

कालगणना - त्रुटि से ब्रह्मा की आयु पर्यन्त , स्थानीय सूर्यघटी , मध्यम एवं मानक घटी , ग्रीनविच समय तथा कालपरिवर्तन , अक्षांश एवं देशांतर , अयनांश साधन (ग्रहलाघवीय , चित्रापक्षीय)

पंचम इकाई

चर , चरखण्ड , दिनमान , वेलांतर , सूर्योदय एवं सूर्यास्त साधन (चर सारिणी , चारसूत्र एवं चरखण्ड विधि)

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. भारतीय ज्योतिष डॉ नेमिचन्द्र शास्त्री , भारतीय ज्ञानपीठ , नई दिल्ली
२. गोल परिभाषा डॉ कामेश्वर उपाध्याय , चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी
३. Table of ascendant : M.K. Lahri Astro Research Bureu Calcutta.
४. बृहत्तपराशरहोराशास्त्रम श्री गणेशदत्त पाठक , सावित्री ठाकुर प्रकाशन , वाराणसी
५. Lahiri's Indian ephemeris of planets position according to 'Nirayan' of sidereal system for current year . N.C. Lahiri AstroReasearch Bureau Calcutta.
६. गोल परिभाषा पं सीताराम झा , पं सीताराम पुस्तकालय , चोगभा , बहेरा , दरभङ्गा
७. ज्योतिषशास्त्र डॉ कामेश्वर उपाध्याय , त्रिस्कन्ध ज्योतिषम प्रकाशन , वाराणसी
८. बृहज्जातक वराहमिहिर , चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

प्रथम सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
१०२ द्वितीय प्रश्न पत्र : फलित ज्योतिष-2
102, Second Paper : Phalit Jyotish -2

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

जातकपारिजात अध्याय १-राशिशीलाध्याय (राशिस्वरूप , स्थान , संज्ञा , बल , दशवर्ग ,भावपरिचय)

द्वितीय इकाई

जातकपारिजात अध्याय २ - ग्रहनामस्वरूपगुणभेदाध्याय (ग्रहस्वरूप , स्थान , संज्ञा , बल , अवस्था , ग्रहमैत्री , विचारणीय विषय)

तृतीय इकाई

जातकपारिजात अध्याय ६ - जातकभंगाध्याय (राजयोगभंग , रेका , दारिद्रय , भिक्षुकादि योग, अन्धादि अङ्गशेष योग विविध रोग योग)

चतुर्थ इकाई

लघुपाराशरी अध्याय १ - संज्ञाध्याय (ग्रहों का शुभाशुभ कारकत्व , भावेशों के फल , दृष्टि , केन्द्राधिपत्य दोष) , अध्याय २ - योगफलाध्याय (विविध योग तथा फलपाककाल)

पंचम इकाई

लघुपाराशरी अध्याय ३ - आयुर्दायाध्याय (मारकविचार)

अध्याय ४ - दशाफलाध्याय (दशाफलपाककाल विचार)

अध्याय ५ - मिश्रफलाध्याय (शुक्र - शनिदशा में विशेष)

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. जातकपारिजात वैधनाथ - पं कपिलेश्वर शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत संस्थान , वाराणसी।

२. लघुपाराशरी पराशर , टीकाकार : डॉ उमेशपुरी ज्ञानेश्वर , रणधीर प्रकाशन , हरिद्वार।

प्रथम सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
१०३ तृतीय प्रश्न पत्र। पञ्चाङ्ग विमर्श
103, Third Paper : Panchang Vimarsha

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

पञ्चाङ्ग परिचय (नक्षत्र , तिथि , वार , योग करण) , परिभाषा , प्रकार ,फलविचार

द्वितीय इकाई

संवत परिचय (सृष्ट्यादि, मन्वादि , युधिष्ठिर , कलि , महावीर निर्वाण , बौद्ध , विक्रम , शालिवाहन , मिस्त्री , चीनी , ग्रीक , जूलियन , ग्रेगोरियन , हिजरी , फसली, राष्ट्रीय शक) , अंग्रेजी दिनांक से वार ज्ञान करना

तृतीय इकाई

पञ्चाङ्ग संप्रदाय

१. सौर , ब्राह्म, आर्य , ग्रहलाघवीय , मकरंदीय , चित्रापक्षीय

२. दीर्घविधि से प्रचलित प्रतिष्ठित पञ्चाङ्ग और पञ्चाङ्गकार परिचय -

३. वेंकटेश शताब्दी पञ्चाङ्ग, विश्व पञ्चाङ्ग, हृषिकेश पञ्चाङ्ग, महाकाल पञ्चाङ्ग, निर्णयसागर , मानव (श्री वल्लभ मनीराम) ,विश्वविजय , भुवनविजय , ब्रजभूमि , आर्यभट्ट , सिद्धविजय आदि

४. धार्मिक संप्रदाय परिचय (स्मार्त , वैष्णव , शैव , निम्बार्क आदि)

चतुर्थ इकाई

व्रतोत्सव , पर्व , तिथि , सूतक तथा श्राद्ध निर्णय ज्योतिर्विदाभरण - अध्याय २१ कालनिर्णय प्रकरण तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिस्ट तिथि पर्व निर्णय

पंचम इकाई

पञ्चाङ्ग व्यवहार

लौकिक पर्व (गणेशोत्सव , राखी , रंगपंचमी , गणगौर , महाकाल सवारी , रावणदहन , गुड़ीपड़वा , पोंगल , बीहू , लोहड़ी आदि)

गृह राशि तथा मासों के हिंदी , अंग्रेजी तथा उर्दू नाम , पञ्चाङ्ग संकेताक्षर , पञ्चाङ्ग परिवर्तन , वर्षेशादि विचार , अवकहडा चक्र तथा चौघड़िया

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. ज्योतिर्विदाभरण - कालिदास , व्याख्या - प्रो रामचंद्र पांडेय , मोतीलाल वाराणसी दास , वाराणसी ,

२. भारतीय ज्योतिष , शंकरबालकृष्ण दीक्षित , उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान , लखनऊ,

३. तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय , डॉ विकास शर्मा , हंसा प्रकाशन , जयपुर

प्रथम सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
१०४ चतुर्थ प्रश्न पत्र : सामुद्रिक , प्रश्न एवं शकुन शास्त्र
104, Fourth Paper : Shamudrik , Prshna Evam Shakun Shastra

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

सचित्र सामुद्रिक रहस्य - पूर्वार्द्ध, तिलवर्णन , शशकादि पुरुष एवं पद्मिनी आदि स्त्री प्रकार , बालकों के सामुद्रिक चिन्ह , बालारिष्ट , सधवा - विधवालक्षण , पैशाचिक एवं दैव चिन्ह)

द्वितीय इकाई

सचित्र सामुद्रिक रहस्य - उत्तरार्द्ध (रेखापरिचय , रेखादार्शन नियम , राजयोग , विविधरेखाविचार , विविध योग)

तृतीय इकाई

षट्पञ्चाशिका अध्याय १,२,३,४(प्रश्नशास्त्र में केन्द्रस्थानों से विचारणीय विषय , भावबल , नष्टवस्तुविचार धातु-मूल-जीव विचार , शत्रुगमागम , जयपराजय विचार , शुभाशुभ योग , स्वास्थ्यज्ञान)

चतुर्थ इकाई

षट्पञ्चाशिका अध्याय ५,६,७ (प्रवासचिन्ता,चोरज्ञान , गर्भ एवं संतान विचार,वर्षापृश्न)

पंचम इकाई

वसंतराजशकुन छिक्का प्रकरणम् मत्स्यपुराण अ २४१ - अङ्गस्फुरण, २४२ - स्वप्नविवेक, २४३ शुभाशुभशकुननिरुपण

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. सचित्र सामुद्रिक रहस्य - कालिकाप्रसाद - ज्योतिष प्रकाशन , वाराणसी।

२. षट्पञ्चाशिका - आचार्य पृथुयशा - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी।

३. वसंतराजशकुन - वसंतराज - खेमराज श्रीकृष्णदास , मुंबई।

४. मत्स्यपुराण - वेदव्यास - गीताप्रेस , गोरखपुर।

५. हस्तसंजीवन - मेघविजय - डॉ सुरेश चंद्र मिश्र , रंजन पब्लिकेशन्स , नई दिल्ली।

द्वितीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
२०१ प्रथम प्रश्न पत्र : ज्योतिर्गणित-2
201, First Paper : Jyotirganit-2

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

प्रमुख ज्योतिर्विद् एवं उनकी कृतियाँ

१. पराशर २. आर्यभट्ट प्रथम ३.आर्यभट्ट द्वितीय ४. बराहमिहिर ५. ब्रह्मगुप्त ६. भास्कराचार्य प्रथम ७. भास्कराचार्य द्वितीय ८. राजाभोज ९. लगध १०. लल्ल ११. केशव १२. गणेश १३. श्रीराम १४. नीलकंठ १५. वैद्यनाथ १६. कल्याण वर्मा १७. बापूदेव शास्त्री १८. व्यङ्कटेश बापू केतकर १९. सुधाकर द्विवेदी २०. शङ्कर बालकृष्ण दीक्षित

द्वितीय इकाई

इष्टकाल साधन , लङ्कोदय तथा देशोदयमानानयन, मानभिन्नता का कारण , नाक्षत्र काल साधन , लग्नानयन की आर्ष लग्नसारिणी एवं साम्पातिक विधि

तृतीय इकाई

भयात - भभोग - साधन , चंद्रस्पष्टीकरण की प्राचीन विधि , चंद्रगति साधन , चंद्रस्पष्टीकरण तथा चंद्रगतिसूत्र की उपपत्ति , पञ्चाङ्गस्थ ग्रहपङ्क्ति से स्पष्ट गृह - साधन (धन तथा ऋण चालन , गोमूत्रिका, त्रैराशिक तथा वर्तमान आनुपातिक विधि

चतुर्थ इकाई

दक्षिणी अक्षांशो में लग्नानयन, दशमभाव स्पष्ट , षष्ठांश साधन , द्वादश भाव चलित चक्र साधन

पंचम इकाई

विशोंतरी दशा - अन्तर्दशा - साधन , भुक्त तथा भोग्य दशा , अन्तर्दशाचक्रमान, सप्तवर्गसाधन - होरा , द्रेष्काण , नवमांश , सप्तमांश , द्वादशांश , एवं त्रिशांश

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. भारतीय ज्योतिष : डॉ नेमिचन्द्र शास्त्री , भारतीय ज्ञानपीठ , नई दिल्ली

२. Table of Ascendants: M.K. Lahri Astro Reasearch Bureau, Calcutta .

३. बृहत्पराशरहोराशास्त्रम श्री गणेशदत्त पाठक , सावित्री ठाकुर प्रकाशन , वाराणसी

४. Lahiri's Indian ephemeris of planets N.C. Lahiri , astro research bureau, Calcutta .

५. भारतीय कुंडली विज्ञान : मीठालाल ओझा , वाराणसी

द्वितीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
२०२ द्वितीय प्रश्न पत्र : शिल्पशास्त्र
202, Second Paper : Shilpashstra

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

मुहूर्तचिन्तामणि अध्याय १ - (तिथिस्वामी , नन्दादिसञ्ज्ञा, सिद्धियोग , आनन्दादि योग , रवियोग , शुभकार्यों में वर्ज्य काल , होलिकाष्टक , भद्रविचार , गुरूशुक्रास्त में वर्जित कार्य)

द्वितीय इकाई

मुहूर्तचिन्तामणि अध्याय २ - नक्षत्रप्रकरण (नक्षत्रेश , ध्रुवादिसञ्ज्ञा, नववस्त्रविचार, खोई वस्तु का विचार , होमाहुति एवं अग्निवासविचार, पंचकविचार , त्रिपुष्कर योग , मूलविचार , जलाशय एवं देव प्रतिष्ठा)

तृतीय इकाई

मुहूर्तचिन्तामणि अध्याय ३ – संक्रान्तिप्रकरण (घोरादिविचार, पर्वकाल , सुप्तादिविचार) अध्याय ४ - ग्रहगोचरप्रकरण (शुभगोचर एवं वेधस्थान , ग्रहणफल , चन्द्रबल में विशेष , नवग्रहमुद्रिका , ताराविचार, दानपदार्थ)

चतुर्थ इकाई

मुहूर्तचिन्तामणि अध्याय ६ - विवाहविषयक (प्रारम्भ से श्लोक ४२ षड्वर्ग विचार तक)

(विवाहविष्यक प्रश्न , वैधव्ययोग एवं दोषशमनोपाय , वरवरण तथा कन्यावरण मुहूर्त , कलशुद्धि , त्रिज्येष्ठदोष , अष्टकूट विचार)

पंचम इकाई

मुहूर्तचिन्तामणि अध्याय ६ - विवाहप्रकरण (श्लोक ४३ से समाप्ति तक) (कर्तरी , सग्रह, वेध , लत्ता , क्रांतिसाम्य आदि विवाहलग्न दोष , विवाहबाहेतु प्रशस्त लग्न एवं नवमांश , गोधूलिप्रशंसा)

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. मुहूर्तचिन्तामणि श्रीरामाचार्य , टीकाकार: केदरदत्त जोशी , मोतीलाल बनारसीदास , प्रकाशन , दिल्ली।

२. मुहूर्तचिन्तामणि श्रीरामाचार्य , टीककरः डॉ सुरेशचंद्र मिश्र , रंजन पब्लिकेशन , दिल्ली।

द्वितीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
२०३ तृतीय प्रश्न पत्र : खगोल विज्ञानं
203, Third Paper : Khagol Vigyan

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

ब्रह्माण्डपरिचय , भारतीय एवं अधुनिकमतानुसार ब्रह्माण्डोत्पत्तिनासदीय सूक्त, हिरण्यगर्भ सूक्त, लाप्लास आदि के सिद्धांत, बिगबैंग सिद्धांत

द्वितीय इकाई

सौरमंडल परिचय , गृह एवं पृथ्वी परिचय

तृतीय इकाई

राशि एवं नक्षत्र मंडल, अन्य तारामंडल तथा भिन्न ऋतु में आकाश दर्शन

चतुर्थ इकाई

१. वेध की परंपरा (प्राचीन वेधशास्त्रियों के परिचय सहित)

२. वेध यंत्रों का सचित्र परिचय - चक्रयन्त्र , चापयंत्र , तुरीययन्त्र, नाड़ीवलययन्त्र , घटिकायन्त्र, शङ्कुयन्त्र, फलकयंत्र , यष्टियन्त्र , साम्राटयन्त्र , भित्तियंत्र , दिगंशयन्त्र, राशिवलययन्त्र, , सूर्यघड़ी

३. आधुनिक वेधयन्त्र परिचय - टेलीस्कोप, इक्वेटोरियल टेलीस्कोप, जेनिथ टेलीस्कोप, , टावर टेलीस्कोप, एक्स-रे टेलीस्कोप, अल्ट्रावायलेट टेलीस्कोप, फिलर माइक्रोमीटर , स्प्रिट लेवल , स्पेक्ट्रोस्कोप , फोटो कैमरा

पंचम इकाई

१. भारत की प्रसिद्ध वेधशालाओं का परिचय :- जय सिंह द्वितीय द्वारा निर्मित वेधशालाएं - उज्जैन , जयपुर, दिल्ली , मथुरा एवं काशी। जयसिंह परंपरा की आधुनिक भारतीय वेधशालाएं - सम्पूर्णानन्द वि वि काशी , डोंगला - उज्जैन , शांतिकुंज - हरिद्वार, लालबहादुर शास्त्री मानित वि वि - दिल्ली। पाश्चात्य परंपरा की आधुनिक भारतीय वेधशालाएं - मद्रास , कोडईकनाल , नैनीताल , उटकमंड , तारामंडल - कोलकाता

२. भारतेतर प्रसिद्द वेधशालाओं का परिचय ग्रीनविच , माउंटविलसन , यार्कस , माउंट पल्मोर , आइंस्टाईन

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. ब्रहम्माण्ड और ज्योतिष रहस्य - नन्दलाल दशोरा - रणधीर प्रकाशन , हरिद्वार

२. भारतीय ज्योतिष - शंकरबालकृष्ण - उ पृ हिंदी संस्थान , लखनऊ

३. ब्रहम्माण्ड और सौर परिवार - डॉ देवीप्रसाद त्रिपाठी - मान्यता प्रकाशन , नई दिल्ली

४. प्रस्तर वेधशाला - भास्कर शर्मा श्रोत्रिय - हंसा प्रकाशन , जयपुर

५. वेधशाला वैभवमं - विनोद शास्त्री- हंसा प्रकाशन , जयपुर

६.भारतीय ज्योतिष यंत्रालयवेधपथ प्रदर्शक - पं गोकुलचन्द्र भावन - हंसा प्रकाशन , जयपुर

७. भारतीय वेधपरम्पराया: क्रमिक विकास - डॉ रवि शर्मा - हंसा प्रकाशन , जयपुर

द्वितीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
२०४ चतुर्थ प्रश्न पत्र : वास्तु शस्त्र
204, Fourth Paper : Vastu Shstra

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

१. वास्तुपुरुष की उत्पत्ति एवं लक्षण २. भूमि का चयन ३. वास्तु के प्रकार ४. भूमि का परीक्षण ५. भूमि का आकर ६. भूमि का प्लव

द्वितीय इकाई

१. गृहारम्भ के समय विचारणीय विषय (मुहूर्त अदि) २. ग्रहमेलापक विचार (काकिणी , वर्ग) ३. आयव्ययादि विचार ४. शलाध्रुवंक , गृहनामाक्षर, षोडश गृहनाम ५. वृषवास्तुचक्र एवं लग्नशुद्धि

तृतीय इकाई

१. एकाशीति पदवास्तुमण्डल २. चतु: षष्टी वास्तुमंडल ३. पदानुसार गृहविन्यास ४. द्वार निर्माण ५. जलस्थान का निर्धारण ६. शुभ वृक्ष एवं वनस्पतियाँ

चतुर्थ इकाई

१. खनन - विधि २. वार , राशि , नक्षत्र आदि के अनुसार राहु की स्थिति पर विचार ३. शल्योद्धार ४. नीवं में निवेशित वस्तुएं (गर्भविन्यास) ५. अहिबलचक्र

पंचम इकाई

१. गृहप्रवेश विचार २. गृहप्रवेश मुहूर्त ३. कलशचक्रशुद्धि ४. वास्तुशांति ५. वधविचार

अनुशंसित पुस्तकें

१. Building construction , S.C. rangwala , charotar publishing hause, anand

२. engineering materials , S.C rangwala, charotar publishing hause , anand

३. भूकंप , श्यामसुंदर शर्मा , ज्ञान गंगा , दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
३०१ प्रथम प्रश्न पत्र : उच्चतर ज्योतिर्गणित-1
301,First Paper : Ucchatar Jyotirganit-1

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

पञ्चसिद्धान्तिका अध्याय १५- ज्योतिषोपनिषद (सम्पूर्ण) अध्याय ०९ - सूर्यचंद्र मध्यममान (श्लोक संख्या एवं 2)

द्वितीय इकाई

पञ्चसिद्धान्तिका अध्याय 16 ग्रहमध्यममान (सम्पूर्ण)

तृतीय इकाई

सूर्य सिद्धांत अध्याय १ - मध्यमाधिकार (श्लोक संख्या 1 से 40 तक)
कार , मूर्तीमूर्तकाल, युगमान, ब्रह्मा की आयु, ग्रहभगण, सावनदिन, महायुग तथा कल्प में सावन दिनादि संख्या

चतुर्थ इकाई

सूर्य सिद्धांत अध्याय १ - मध्यमाधिकार (श्लोक संख्या 41 से अंत तक)
(अहर्गणासाधन , मध्यमग्रहनयन , भूपरिधि , रेखादेश , स्फुटभूपरिधि)

पंचम इकाई

ऋक ज्योतिष (सम्पूर्ण) (पर्वसँख्या , अयनारम्भ , दिनमानवृद्धि , नक्षत्रनाम एवं देवता)

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. सूर्यसिद्धांत (सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित)

२. सूर्यसिद्धांत - अंग्रेजी अनुवाद सहित - आर ई वर्गीय (अनुवादक) (इंडोलॉजिकल बुक हाउस , वाराणसी दिल्ली)

३. सूर्यसिद्धांत - टीकाकार कपिलेश्वर शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत संस्थान , वाराणसी , २००१

४. पंचसिद्धां तिका - सुधाकर द्विवेदी (टीका) तथा सी थिबोट (अंग्रेजी अनुवाद) चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस , वाराणसी -१

५. पंचसिद्धांतिका - टी एस कम्पन शास्त्री तथा के बी शर्मा (संपादन) (पी पी एस टी फाउंडेशन , अड्यार , मद्रास - १९९३)

६. वेदांग ज्योतिष - डॉ सुरेशचंद्र मिश्र , रंजन पुब्लिकेशन्स , नई दिल्ली।

७. वैदिक ज्योतिष - डॉ गिरिजाशंकर शास्त्री - चौखम्बा संस्कृत संस्थान , वाराणसी।

तृतीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
३०२ द्वितीय प्रश्न पत्र : फलित ज्योतिष-2
302,Second Paper : Phalit Jyotisha -2

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

जातक पारिजात अध्याय ७ - राजयोगाध्याय (श्लोक संख्या 1 से 10 तक) (नीचभङ्ग, पञ्चमहापुरुषादि राजयोग , अनफाड़ियोग , केमद्रुमयोग , फल एवं अपवाद)

द्वितीय इकाई

जातक पारिजात अध्याय ७ – राजयोगाध्याय (श्लोक 108 से अन्त तक) (शकट, गजकेसरी , श्रीनाथादि , नाभस योग)

तृतीय इकाई

योगचिन्तामणि (पताका , चिंतामणि आदि विविध योग , भावफल)

चतुर्थ इकाई

सारावली अध्याय ६- कारकाध्याय , अध्याय ७ - वारेशादि कारकाध्याय ४० - दशाध्याय , अध्याय ४१ - अन्तर्दशाध्याय

पंचम इकाई

सारावली अध्याय १० - अरिष्टयोगाध्याय ,
अध्याय ११ - चन्द्रारिष्टभङ्गाध्याय
अध्याय १२ - अरिष्टभङ्गाध्याय

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. जातक पारिजात (श्री वैधनात विरचित) - कपिलेश्वर शास्त्री (चौखम्बा संस्कृत संसथान , वाराणसी)

२. जातक पारिजात - गोपेश कुमार ओझा - मोतीलालबनारसी दास , दिल्ली।

३. सारावली - कल्याणवर्मा , मुरलीधर चतुर्वेदी (मोतीलाल बनारसीदास , वाराणसी)

४. योगचिंतमणि: और व्यव्हार ज्योतिष - डॉ राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर , चौखम्बा संस्कृत संसथान , वाराणसी।

तृतीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
३०३ तृतीय प्रश्न पत्र : संहिता ज्योतिष
303,Third Paper : Sanhita Jyotisha (Elective)

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

१ .बृहत्संहिता अध्याय १ उपनयनाध्याय (ज्योतिष के त्रिस्कन्ध)

२. सांवत्सरसूत्राध्याय (दैवज्ञ के लक्षण , संहितापदार्थ , ज्योतिष महत्व)

३. आदित्यचाराध्याय (अयनप्रवृत्ति, त्वष्टा , तामस्कीलक , ऋतू अनुसार उदयकालिक सूर्य के वर्ण , प्रतिसूर्य , ऊर्ध्वकर)

द्वितीय इकाई

४ बृहत्संहिता अध्याय ४ . चन्द्रचाराध्याय (चंद्रप्रकाश , चन्द्रासंस्थान , शृङ्गवेधफल)

५. राहुचाराध्याय (राहुस्वरूप पर विविध मत , ग्रहण एवं मोक्षप्रकार, पर्व , खान्श , ग्रहणवर्ण)

६. भौमचाराध्याय (उष्णादि पञ्चभौममुख)

तृतीय इकाई

बृहत्संहिता अध्याय ७ बुधचाराध्याय (बुध की गतियाँ)

८ . बृहस्पतिचाराध्याय (महाकार्तिकादि वर्ष संवत्सर पुरुष , संवत्सरादि के स्वामी तथा युगेश , प्रभवादि संवत्सर फल)

९. शुक्रचाराध्याय (वीथी तथा मण्डल)

शनि चारा अध्याय (नक्षत्रचार फल)

चतुर्थ इकाई

बृहत्संहिता अध्याय ११. केतुचाराध्याय (त्रिविध केतु , केतु की परिभाषा शुभाशुभ केतु) ,

१५. नक्षत्रव्यूहाध्याय (नक्षत्रो से सम्बद्ध विषय)

१६ . ग्रहभक्तियोगाध्याय (ग्रहों से सम्बद्ध विषय)

१९. ग्रहवर्षफलाध्याय

पंचम इकाई

बृहत्संहिता अध्याय २१. गर्भलक्षणाध्याय (मेघगर्भ के लक्षण)

२४. रोहिणीयोगाध्याय (बीजज्ञान)

२६.आषाढ़ीयोगाध्याय (तुलाकोश रहस्य , वातचक्रफल)

२८. सद्योवर्षणाध्याय (प्रश्न , शकुन, गोचर अदि से वर्षाविचार)

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. बृहत्संहिता - वराहमिहिर - अच्युतानंद झा (चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी १९७७)

२. मुंडेन एस्ट्रोलॉजी – राफेल

तृतीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
३०४ चतुर्थ प्रश्न पत्र : प्रौढ़ वास्तु विज्ञानं-1
304,Fourth Paper : Prodha Vastu Vigyan-1 (Elective)

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

मयमत अध्याय ७ - पदविन्यास (सकल, मंडूक , परमशायी आदि पदविन्याद)

अध्याय १२ - गर्भविन्यास (विभिन्न कक्षों , देवालय आदि के लिए गर्भविन्यास)

अध्याय १४ - अधिष्ठानविधान (श्लोक 1 से 15 तक)

अध्याय १५ - पादप्रमाणद्रव्यपरिग्रहविधान (स्तम्भलक्षण, शिला , इष्टिका तथा काष्ठलक्षण)

द्वितीय इकाई

मयमत अध्याय १९ - एकभूमिविधान (धामपर्याय , द्वार , भवनभेद)

अध्याय २०. द्विभूमिविधान (भवनभेद)

अध्याय २१. त्रिभूमिविधान (भवनभेद , तोरण , सोपान)

तृतीय इकाई

मयमत अध्याय २४ - गोपुरविधान (पंचविध गोपुर)

अध्याय २५ - मण्डपसभाविधान (श्लोक 1 से 55 तक) (मण्डपप्रयोजन, मण्डप नाम, प्रपा, रङ्ग एवं यज्ञकुण्डलक्षण)

अध्याय २६ - शालाविधान (श्लोक 1 से 85 तक) (शालाविस्तार, आयाम एवम् उत्सेध, दण्डादि विविधभेद)

चतुर्थ इकाई

मयमत अध्याय २७- चतुरग्रहविधान (वाटभित्ति, खालूरिका , अन्नागारादि विविधभवन)

अध्याय २८ -गृहप्रवेश (श्लोक 1 से 54 तक) (द्वारमान, शुभाशुभत्व)

अध्याय ३० - द्वारविधान (द्वारमान , शुभाशुभत्व)

पंचम इकाई

मयमत अध्याय ३५ - अनुकर्मविधान (जीर्णोद्धार के नियम)

बृहत्संहिता अध्याय ५८ - प्रतिमालक्षण (अङ्गप्रमाण, विभिन्न देवों के स्वरूप)

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. मयमत - ब्रूनो डिगेंस (अनुवादक) (अंग्रेजी) मोतीलाल बनारसीदास पुब्लिकेशन्स , नई दिल्ली।

२. मयमतम - शैलजा पांडेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी

३. बृहत्संहिता - वराहमिहिर - अच्युतानंद झा (चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी १९७७)

तृतीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
३०५ पंचम प्रश्न पत्र : चिकित्सा ज्योतिष
305,Fifth Paper : Chikitsa Jyotisha (Elective)

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

1- (ज्योतिष और आयुर्वेद का सम्बन्ध आयुर्वेदिक दिनचर्या ऋतुचयों ऋतुसंधि ज्योतिष के काल विभाजन अनुसार वाग्भट कृत अष्टांग संग्रह चतुर्थ अध्याय श्लोक 1 से 8 व 61) रोग और आरोग्य के 3 कारणों में मालका एक कारण (अष्टांग से अध्याय 1 श्लोक 42-43)

2- आयुर्वेद शरीर व रोग (सुश्रुत संहिता शरीर स्थानम् अध्याय 1 और 4. सूत्र स्थानम् अ. 24

3- आयुर्वेद के अनुसार पन्च महाभूतों के लक्षण व कार्य : 4- मुल प्रकृति एवं इन्द्रियों की उत्पति का विचार, ज्ञान इन्द्रियां कव कर्म इन्द्रियों और उनकी शरीर में स्थिति ।

5- तन्मात्रा पञ्च महाभूतों की व्युत्पति ।

6- ज्ञनेन्द्रियों व कर्मेन्द्रियों के कार्य, चिकित्सा उपयोगी पञ्चतन मात्रा जीवात्मा ।

7- आत्मा व कर्मपुरुष के गुण ।

8- सात्विक राजसिक व तामसिक के गुण ।

9- पन्चभूतों व त्रिगुणों में सम्बन्ध ।

10- वात पित्त कफ प्रकृति व्यक्तियों के लक्षण ।

11- रोगोत्पति में बात पित कफ की भूमिका ।

12- तीन प्रकार के दुखों के आधार पर रोगों का (आदि बल प्रवृत, दोष बल प्रवृत्त इत्यादि) सात प्रकार से वर्गीकरण । (उपरोक्त 20 से 29 तक का सन्दर्भ सुश्रुत संहिता शरीर स्थानम् अध्याय 1 और 4. सूत्र स्थानम् अ. -24)

13-ग्रह की पन्च महाभूतात्मक और सात्विक राजसिक तामसिक प्रकृति का व्यक्तित्व व मनोवृत्ति पर प्रभाव (बृहत पाराशर, पञ्च महाभूत फल अध्याय और सत्व गुणादि अध्याय, ग्रहों के त्रिगुणात्मक प्रवृत्ति बृहत्जातक अ 2/7 एवं सारावली अ. 38 गुण तत्व फलाध्याय) चिकित्सा के सोलह अंग एवं श्रेष्ठ चिकित्सक के गुण निर्धनसेवा व दया (अष्टांग से सूत्र स्थानम् अ. 2श्लोक 22 से 25 और श्लोक 37-38) चिकित्सा में प्रतिकूल ग्रहयोग (अष्टांग से शरीर स्थानम् अ. 22 श्लोक 14) 27 नक्षत्र अनुसार रोग शासन की समयावधि (अष्टांग से निदान स्थानम् अ. 1 श्लोक 21 से 32 तक)

द्वितिय इकाई

पाश्चात्य चिकित्सा विज्ञान अनुसार शरीर की प्रणालियों (सिस्टम्स) व अंगों का प्रत्येक पर लगभग 50 शब्दों से 250 शब्दों तक लिखने योग्य, संक्षिप्त टिप्पणीं या सामान्य परिचय :

(क) 1. परिसंचरण तंत्र. 2. हृदय 3. हृदय चक्र. 4. हृदय रोध व हृदय निकास 5 रक्त का परिसंचरण, 6. आवरण शोध. 7. अन्तहृदय शोध, 8 कारोनरी धमनी रोग, 9. रक्त संकुल हृदय पात, 10. हृदय संरोध, 11. हृदय सर्जरी,

(ख) 1. रक्त की संरचना, 2. हीमोग्लोबिन श्वेत रक्त कोशिकाएं एवं रक्त के वर्ग 3. रक्त के कार्य , 4. हीमोफिलिया, अति रक्तदाब और अल्प रक्तदाब,

(ग) 1. आमाशय के कार्य, 2. जठर के कार्य, 3. छोटी आंत के कार्य, 4. बड़ी आंत के कार्य, 5. यकृत, 6. पिताशय, 7. अग्न्याशय 8. पाचन नाल के कुछ रोग

(घ) 1. श्वसन मार्ग का संक्षिप्त परिचय, 2. फुफ्फुस के कार्य,

(ड) वाहिनी विहीन ग्रंथियों

(च) 1 मुत्र जनन तंत्र संरचना, 2. मूत्र पथ के अंग और वृक्क के कार्य

(छ) 1. केन्द्रीय प्रमस्तिष्क मेरु तंत्रिका तंत्र. 2. स्वचालित तंत्र अनुकंपी और परानुकम्पी तंत्र सहित,

(ज) 1. गर्भाशय, 2 डिम्ब ग्रंथि 3. वृशण, 4. पुरस्थ ग्रंथि 5. क्रोमोसोम,

तृतीय इकाई

(क) 1. काल पुरुष की अवधारणा, राशि चक्र एवं बारह भावों का काल पुरुष की शरीर रचना से सम्बन्ध, 2. सत्ताईस नक्षत्रों का शरीर के अंगों से सम्बन्ध (बृहत पाराशर प्रश्न विचार अध्याय श्लोक 38,39,51) 3. देष्काण और शरीर की अंग, 4 राशियों का अग्नि जल आदि तत्वों के अनुसार एवं चर आदि अनुसार शरीर अंगों पर अधिपत्य । (ख) 1. राशियों व रोग, 2. ग्रह व रोग, 3. नक्षत्र व रोग (बृहत पाराशर षष्ठ भाव फलाध्याय फलदीपिका अ 14 जातक पारिजात तथा गदावली अ.1) 3. ग्रह का राशि स्थिति अनुसार रोग, 4. नक्षत्र व शरीर के अंग और रोग ।

चतुर्थ इकाई

(क) 1. रोग निदान (डायग्नोसिस) के आधारभूत सिद्धांत तथा इनका व्यावहारिक उपयोग लग्न षष्ठम अष्टम द्वादश द्वितीय सप्तम भाव, भावेश भावस्थ ग्रह इनसे संबंद्ध ग्रह, नक्षत्र व नक्षत्र में स्थित ग्रह की क्रूर ग्रह की भूमिका, निर्बल ग्रह की भूमिका, मारक ग्रह की भूमिका क्रूर षष्ट्यांश की भूमिका ,आयुर्दाय भूमिका (क) त्रिदोषों के सन्दर्भ में ग्रहों की रोग निदान में भूमिका, तथा (ख) ज्योतिष शास्त्र में रोग विचार ।ग्रन्थ के अध्याय छः में वर्णित त्रिदोषों के ग्रह योगों में से चुने हुए कुल 12 प्रमुखग्रह योग का संक्षिप्त व्याख्या | अनुवांशिकी और रोग. षड्चक्रों के आधार पर रोग निदान, कृष्णमूर्ती पद्धति से षष्ट उप भावेश से रोग निदान, (ख) 1. रोगों का सहज रोग और आगंतुक रोग के आधार पर पुनः वर्गीकरण इसके अंतर्गत केवल चोट दुर्घटना से विकलांगता के ग्रह योगों का संक्षिप्त विवेचन,रोगों की साध्यता और असाध्यता 3. रोग उत्पत्ति के संभावित समय निर्धारण में विन्शोत्तरी दशा अंतर्दशा की भूमिका, गोचर की भूमिका.षष्ठ भाव में क्रूर ग्रह की स्थिति का (बृहत् पाराशर अ. 18 श्लोक 12-13) एवं शुभ ग्रह की स्थिति का रागों पर प्रभाव का विवेचन,राशि पर दृष्टि, राशिगत भाव के जीव तत्व को हानिप्रद नाडी ग्रन्थ के इस सिद्धांत का परीक्षण

पंचम इकाई

निम्नांकित रोगो के सामान्य :- 1. चिकित्सा शास्त्रीय कारण व लक्षण 2. आयुर्वेदिक कारण व लक्षण का वर्णन और 3. ज्योतिश विज्ञान के अनुसार इन रोगों के ग्रहयोग का वर्णन एवं जन्म पत्रिका में इन रोगों की पहचान का व्यावहारिक अध्ययन 1. रक्त चाप 2. हृदय रोग, 3. मधुमेह, 4. कैंसर, 5. दमा, 6. गठिया 7 अवसाद, 2. रोगोपचार विंशोत्तरी दशान्तार्दशा अनुसार रोगकारक ग्रह की शांति हेतु मंत्र व दान निर्णय जडी प्राश्चित कर्म हवन समिधा निर्धारण,रोग- शमन, ग्रह वस्तु दान से होगा या ग्रह रक्त धारण से, इसके विभिन्न मत-मतान्तरों का संक्षिप्त षड चक्रों पर ध्यान से रोग निवारण,

मुख्य ग्रन्थ :-

1. सुश्रुत संहिता 2. वारमट कृत अष्टांग संग्रह 3. बृहत पराशर होरा शास्त्र 4. फलदीपिका, 5. जातक पारिजात 6. ज्योतिष में रोग विचार प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी, 7. वीरसिंहावलोक, 8. मेडीकल एस्ट्रोलोजी राफेल, 9. गदावली. 10. शरीर और शरीर क्रिया विज्ञान ईब्लिंग पीयर्स कृत (हिन्दी) 11. बृहत जातक, 12. सारावली, 13 ज्योतिष और रोग..

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. चिकित्सा ज्योतिष के व्यावहारिक अनुभव एम.एस. श्रीवास्तव 104 अंसल प्रधान एन्क्लेव, ई-8 अरेरा कॉलोनी भोपाल,
2. चिकित्सीय ज्योतिष कौमुदी के.के. पाठक, एल्फा प्रकाशन दिल्ली,
3- एनएन साहा द्वारा स्टेलर हीलिंग थ्रू जेम्स,
4- Astrology bu Jagannath Rao,
5- स्कॉट कनिंघम का क्रिस्टल का विश्वकोश

तृतीय सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
३०६ प्रश्न पत्र : प्रश्न ज्योतिष
306 , Sixth Paper : Prashna Shastra (Elective)

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

1- प्रश्न में ताजिक ग्रह दृष्टि विचार यह मैत्री विचार, ग्रहों के दीप्तांश (केदार दत्त जोशी कृत ताजिक नीलकंठी दृष्टि) फलाध्याय |

2-प्रश्न में विचारणीय इक्कालादि सोलह ताजिक योग (उपर्युक्त का ग्रह योगाध्याय)

3- प्रश्न में विचारणीय दीप्त मुद्रित आदि अवस्थाएं ।

द्वितीय इकाई

प्रश्न तत्र केदार दत्त जोशी कृत ताजिक नीलकंठी श्लोक 1 से 114 तक विविध प्रश्न विचार ।

तृतीय इकाई

प्रश्न तंत्र (उपरोक्त) श्लोक 115 से 121 तक तथा प्रकीर्ण अध्याय

चतुर्थ इकाई

1- पटपंचाशिका पृथुयशस कृत : होरा, गमनागमन, जय पराजय, शुभाशुभ, प्रवास, नष्ट - प्राप्य और मिश्र अध्याय ।

पंचम इकाई

1- भुवन दीपक: आचार्य प्रदाप्रभु सूरी कृत :गृहस्वरुप द्वार से गर्भादि, प्रश्न द्वार अध्याय तक

मुख्य ग्रन्थ :-

1- ताजिक नीलकंठी प्रो. केदार दत्त जोशी की टीका घट पंचाशिका

2- भुवन दीपक सन्दर्भ पुस्तकें :- कृष्णमूर्ति पद्धति छठी रीडर । ज्योतिश शास्त्र में स्वर विज्ञान का महत्व प्रो. केदार दत्त जोशी होरा सार । प्रश्न तंत्र (अंग्रेजी) बी.वी. रामन ।

3- प्रश्न मार्ग । विभिन्न होरा ग्रंथों में प्रश्न ज्योतिश के सन्दर्भ ।

प्रश्न दीपक एल.आर. चौधरी (अंग्रेजी) सागर प्रकाशन। नष्ट जातकम् (संग्रह) आचार्य मुकुंद दैवज्ञ, रंजन प्रकाशन।

चतुर्थ सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
४०१ चतुर्थ प्रश्न पत्र : उच्चतर ज्योतिर्गणित-2
401, First Paper : Ucchatar Jyotirganit -2

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

सिद्धांतशिरोमणि - गोलाध्याय , अध्याय ३ - भुवनकोश (भूमि का निराधारत्व , गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत , भूगोलवयवस्था , भूपरिधि)

द्वितीय इकाई

सूर्य सिद्धांत अध्याय २ - स्पष्टाधिकार

(शीघ्रोच्चादि गतिहेतु ,अष्टविध ग्रहगति , ज्यापिंड , परमापक्रमज्या , क्रांतिसाधन , ज्यासाधन)

तृतीय इकाई

सूर्य सिद्धांत अध्याय २ - स्पष्टाधिकार (ग्रहों की शीघ्र एवं मंदपरिधियाँ , मंदफलसाधनविधि , शीघ्रफलसाधनविधि)

चतुर्थ इकाई

सूर्य सिद्धान अध्याय २ - स्पष्टाधिकार (शरानयन , चारसंस्कार , दिनरात्रिमान , नक्षत्र एवं करणज्ञान)

अध्याय १४ - मानाध्याय (सम्पूर्ण) (नवविध कालमान , विविध कालमानो का व्यावहारिक उपयोग)

पंचम इकाई

सूर्य सिद्धांत अध्याय १२ - भूगोलाध्याय (सम्पूर्ण)

(भूगोलवयवस्था , अक्षांशभेद से विविध अहोरात्रमान। भचक्रभ्रमण)

अध्याय १३ - ज्योतिषोपनिषद्ध्याय (सम्पूर्ण)

(गोल , शंकु , कपाल आदि यंत्रों का वर्णन)

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. सूर्यसिद्धांत (सम्पूर्णानदं संस्कृत विश्विद्यालय द्वारा प्रकाशित)

२. सूर्यसिद्धांत - अंग्रेजी अनुवाद सहित - आर ई वर्गी (अनुवादक) (इंडोलॉजिकल बुक हाउस, दिल्ली)

३. सूर्यसिद्धांत - टीकाकार कपिलेश्वर शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत संस्थान , वाराणसी २००१

४. सिद्धांतशिरोमणि गोलाध्याय - भास्कराचार्य व्याख्याकार - केदारदत्त जोशी (मोतीलाल बनारसी दस , नई दिल्ली)

चतुर्थ सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
४०२ द्वितीय प्रश्न पत्र : फलित ज्योतिष-3
402 , Second Paper : Phalit Jyotisha -3

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

जातकपारिजात अध्याय ११ - प्रथमद्वितीयभावफलाध्याय

द्वितीय इकाई

जातकपारिजात अध्याय १२ - तृतीयचतुर्थभावफलाध्याय

तृतीय इकाई

जातकपारिजात अध्याय १३ - पंचमषष्ठभावफलाध्याय

चतुर्थ इकाई

जातकपारिजात अध्याय १४ – सप्तमअष्टमनवमभावफलाध्याय (श्लोक 38 से 44 छोड़कर)

पंचम इकाई

जातकपारिजात अध्याय १५ – दशमएकादशद्वादशभावफलाध्याय

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. जातक पारिजात - कपिलेश्वर शास्त्री (टीकाकार) चौखम्भा प्रकाशन , वाराणसी

चतुर्थ सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
४०३ तृतीय प्रश्न पत्र : मंदिर स्थापना की शैलियाँ
403 , Third Paper : Mandir Sthapna Ki Shailiyan (Elective)

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

बृहत्संहिता अध्याय ३२ भूकम्पलक्षणाध्याय, ३४ परिवेशलक्षणाध्याय , ४२ अर्धकांदाध्याय , ४५ उत्पाताध्याय

द्वितीय इकाई

बृहत्संहिता अध्याय ५१ अङ्गविद्याध्याय, ६८ पुरुषलक्षणाध्याय , ७० कान्यलक्षणाध्याय (सर, हाथ , पैर , केश एवं मुखमण्डल के विशेष सन्दर्भ में)

तृतीय इकाई

रत्नविमर्श - परिभाषा , उत्पत्ति विषयक प्राचीन एवं अर्वाचीन मत , प्रकार , शुभाशुभत्व , प्रति स्थल , धारण मुहूर्त एवं धारण विधि

बृहत्संहिता - अध्याय ८० रत्नपरीक्षाध्याय , ८१ मुक्तालक्षणाध्याय, ८२ पद्मरागलक्षणाध्याय

चतुर्थ इकाई

बृहत्संहिता अध्याय ८६ शकुनाध्याय , ८८ विरुताध्याय , ९९ वायसवीरुताद्याय

पंचम इकाई

बृहत्संहिता अध्याय १०० करणगुणाध्याय , १०१ नक्षत्रजातकाध्याय , १०३ विवाहपटलाध्याय , १०४ ग्रहगोचराध्याय

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. बृहत्संहिता - वराहमिहिर - अच्युतानंद झा (अनुवादक) (चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी १९७७)

२. रत्न विमर्श - डॉ सुरेंद्र कुमार पांडेय , साहित्य संगम , इलाहबाद।

३. रत्न परिचय और चिकित्सा विज्ञान - डॉ रामकृष्ण उपाध्याय , रणधीर बुक सेल्स , हरिद्वार

चतुर्थ सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
४०४ चतुर्थ प्रश्न पत्र : प्रौढ़ वास्तु विज्ञानं-2
404 , Fourth Paper : Prodh Vastu Vigyan-2 (Elective)

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

वास्तुशास्त्र का इतिहास वेद एवं पुराणेतिहास में वास्तु, प्रमुखवास्तुशास्त्रियों का परिचय (यथा - विश्वकर्मा , मय , वेदव्यास , भोज , टोडरमल , रामदैवज्ञ , मंडान आदि)

द्वितीय इकाई

ग्रामनियोजन मयमत अध्याय ५ - मानोपकरण (विविधमान, शिल्पीलक्षण)
अध्याय ९ - ग्रामविन्यास (वसतिविन्यास के प्रकार , आयादिसाधन, वीथी विधान , ग्रामभेद , देवप्रसादस्थान , देवालय गर्भविन्यास)

तृतीय इकाई

नगरनियोजन , मयमत अध्याय १० - नगरविधान (नगरमान , राजधानी आदि के लक्षण , अन्तरापण)
वस्तुमंडन अध्याय ३ - (जलाशयों के प्रकार , उद्यानविचार)

चतुर्थ इकाई

मंदिर स्थापत्य

बृहसंहिता अध्याय ५५ - प्रासादलक्षणाध्याय (२० प्रासादभेद)
मंदिर स्थापत्य की विभिन्न शैलियाँ - नागर, द्रविड़ , बेसर , गुप्त , उड़ीसा , चंदेल , ग्वालियर , मदुरा एवं , राजस्थानी जैन शैली।

पंचम इकाई

वास्तुविषयक गुणदोष , वास्तुमण्डन अध्याय ७- दूषणभूषणाध्याय
वास्तु रत्नाकर अध्याय ६ - ग्रहोपकरण प्रकरण

अनुशंसित पुस्तकें :-

१. मयमतं- शैलजा पांडेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी

२. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास - विद्याधर - चौखम्बा संस्कृत सीरीज

३. मंदिर स्थापत्य का इतिहास - सच्चिदानंद सहाय , बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी

४. वस्तुमंडनम श्रीकृष्ण जुगनू चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी

५. वस्तुरत्नाकर विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी

चतुर्थ सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
४०५ पंचम प्रश्न पत्र : ताजिक वर्षफल
405 , Fifth Paper : Tajik Varsphal (Elective)

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

1- वर्ष मान, नव वर्ष मान ही ग्रहण योग्य, वर्ष प्रवेश, वर्ष लग्न ग्रह स्पष्ट, पंचवर्ग बल साधन वर्षेश निर्णय ग्रह ,दृष्टि विचार ग्रहों का दीप्तांश (अध्याय 1 और दृष्टि फलाध्य) विंशोत्तरी मुद्रा दशा साधन

द्वितीय इकाई

वर्ष कुंडली में इकबालादि सोलह योगी का विचार (ग्रह योग अध्याय) मुंथा साधन का विचार (मुंथा फलाध्याय)

तृतीय इकाई

1-पात्यायिनी दशा अध्याय।

2- वर्षलग्न से अरिष्ट विचार और।

3- अरिष्ट भंग अध्याय

चतुर्थ इकाई

1- द्वादश भाव विचार (सारांश) , दशा विचार

पंचम इकाई

1- अष्टक वर्ग साधन : त्रिकोण व एकाधिपत्य शोधन राशिपिंड ग्रहपिंड आनयन व सर्व अष्टक वर्ग

(सचित्र ज्योतिष शिक्षा खण्ड 2, गणित-1 वी.एल. ठाकुर)

2- ग्रहों के शुभाशुभ वर्ष, धनलाभ, राज योग आदि का समुदाय अष्टक वर्ग से भविष्य कथन (अष्टक वर्ग महा निबंध आचार्य मुकुंद दैवज्ञकृत)

मुख्य ग्रन्थ :-

ताजिक नीलकंठी व्याख्याकार प्रो. केदारदत्त जोशी (मोतीलाल बनारसीदास) सचित्र ज्योतिश शिक्षा खण्ड 2 (गणित खण्ड-1) ज्यो बाबू लाल ठाकुर । अष्टकवर्ग महानिबंध आचार्य मुकुंद दैवज्ञ, रंजन पब्लिकेशंस । 2- 3-

वर्षफल विचार ज्योतिर्विद परमानन्द शर्मा, गोयल एंड क. दरिया गंज दिल्ली विविध फलित ग्रंथो का अष्टकवर्ग फलादेश ।

चतुर्थ सेमेस्टर सत्र २०२३-२०२५
406 प्रश्न पत्र : अध्यात्म ज्योतिष
406 Sixth Paper : Adhyatma Jyotish (Elective)

60 अंक मुख्य परीक्षा, 40 अंक आंतरिक परीक्षा, इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक

प्रथम इकाई

1- वेद के छः अंगों के नाम व उनकी विषय वस्तु का संक्षिप्त परिचय प्रमुख षडदर्शनी का सामान्य संक्षिप्त परिचय।
2- कर्मफल सिद्धांत- धर्मग्रंथ, षडदर्शन में भारतीय ज्योतिष में और पाश्चात्य ज्योतष के प्रति दृष्टि, पुर्नजन्म सिद्धांत।
3- पुरुशार्थ चतुश्टय का ज्योतिश में भूमिका।
4- योग वशिष्ठ में दैव या प्रारब्ध एवं पुरुशार्थ सम्बन्धी विचार।

द्वितीय इकाई

1- अध्यात्म ज्योतिष की विषेशता तथा कार्य क्षेत्र।
2- ज्योतिष के माध्यम से पूर्वजन्म कृत कर्म जन्म के प्रभाव का उद्घाटन।
3- ग्रह युथियों से प्रारम्भ कर्म का बोध।
4- विभिन्न प्रकार के प्रारब्धों के प्रतिक ग्रह।
5- पाश्चात्य अध्यात्म ज्योतिष पद्धति से पूर्व जन्मकृत कर्म का आकलन।
6- ग्रहों की केन्द्र, त्रिकोण दृष्टियों की पाश्चत्य अध्यात्मिक व्याख्या।
7- ग्रहों के ग्रीक प्रतीक चिन्हों का अध्यात्मिक आशय।

तृतीय इकाई

1- श्वेताश्वतर उपनिषद अध्याय 1 से 4 (सरल हिंदी में व्याख्या)
2- उपनिषदों के आध्यात्मिक भाव प्राप्ति मार्ग या देवयान मार्ग का ज्योतिष के उत्तरायण सूर्य मार्ग से सम्बन्ध ,उपनिशदों के पुनः जन्म प्राप्ति अथवा पितृ मार्ग का ज्योतिष के दक्षिणयन सूर्य मार्ग से सम्बन्ध

चतुर्थ इकाई

1- ग्रह की पांच महाभूतात्मक और सात्विक, राजसिक और तामसिक प्रकृति का व्यक्तित्व और मनोवृति पर प्रभाव।
2- पारंपरिक साहित्य में आध्यात्मिक ज्योतिष का तत्व -प्रवाज्य योग, निर्वाण मरणान्तर गति ज्ञान, पूर्व व पुन जन्म ज्ञान, मोक्ष साधन।
3- 12 भावों तथा 12 राशियों तथा नव ग्रहों का त्रिगुणात्मक और पञ्च तत्व प्रकृति के अनुसार आध्यात्मिक मानसिक प्रवृतियां।
4- षडचक्रों का संक्षिप्त परिचय तथा इनका सम्बन्ध।
5- अष्टांग योग का संक्षिप्त परिचय तथा इसका 12 भावों से सम्बन्ध।

पंचम इकाई

1-आत्म अनुसन्धान के चार प्रमुख मार्ग का संक्षिप्त परिचय तथा इनका अध्यात्म ज्योतिष के माध्यम से साधक या जिज्ञासू की जन्म पत्रिका का व्यावहारिका आकलन।
2-अध्यात्म भाव के प्रमुख आत्म ज्ञानी, संत महात्मा, भक्त, कर्म योगी, ज्ञान योगी राज योगी जातकों का जन्म पत्रिकाओं वा अध्यात्म ज्योतिश की दृष्टि से व्यवहारिक ज्ञान।
3- सगुण भक्ति मार्ग में एवं सकाम सांसारिक विविध कार्य सिद्धि हेतु जन्म पत्रिका के मात्र स्थान नवम् स्थान आदि से व कारकांश से आराध्य देव का निर्धारण तथा मन्त्र व्रत, दान हवन।

मुख्य ग्रन्थ

अध्यात्म ज्योतिष भाग्य विचार, ज्ञान योग, ह.न. काटवे। भक्ति योग
स्वामी विवेकानंद रामकृष्ण मठ धन्तोली, नागपुर।
स्वामी विवेकानंद रामकृष्ण मठ धन्तोली, नागपुर ,कर्म योग राजयोग
स्वामी विवेकानंद रामकृष्ण मठ धन्तोली, नागपुर। सवामी विवेकानंद रामकृष्ण मठ धन्तोली, नागपुर।
धर्म विज्ञान ,स्वामी विवेकानंद रामकृष्ण मठ धन्तोली, नागपुर।
वृहत पराशर होरा शास्त्र 9& Esoteric Astrology Alan Leo I